यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2018

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग – 6

पूर्णांक : 100

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर, दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान है तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड़, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

1- lerk lLdkj ikB'kkyk d fo|kFkh gk A ¼ ½
2- 97 vad ,o lkekf;d dju oky 3 vad çkIr dj ldr gA ¼ ½

प्रश्न 1. गाथाओं को पूर्ण कीजिए: **10×2=20**

1. उड्ढं अहेयं .....
.....य पाण।

2. महीए .....
..... सुद्ध लेसे।

3. गंधेसु वा .....
..... माहु।

4. एवमावट्ट जोणीसु .....।
ण .....व खत्तिया।

5. सोही .....चिट्ठई।
.....पावए।।

6. ब्राह्मी.....कौशल्या ।
..... शिवा।

7. द्रौपदी का चीर .....
.....विशाला ।

8. मीठे-मीठे .....देवाणुप्पिया

.....

9. सर्वमंगल .....

.....शासनम्

10. दाम बिना.....धनवान।

.....छान।

प्रश्न 2. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दिजिए **20×1=20**

1. मनुष्य किस पाप के उदय से गूंगा होता है ?

.....

2. मनोच्छित भागोपभोग की सामग्रियां किस पुण्योदय से मिलती है ?

.....

.....

3. एकत्व भावना क्या है ? किसने भाई थी ?

.....

.....

4. शिवराजर्षि के भगवान के पास पहुचने के बाद क्या हुआ ?

.....

.....

5. उपभोग परिभोग किसे कहते हैं ?

.....

.....

6. अनाथी मुनि ने कौनसी भावना भाई थी तथा उन्होंने अनाथ किसको कहा।

.....

.....

7. सारथी ने पशुओं के विषय में भगवान् अरिष्टनेमी से क्या कहा?

.....

.....

8. राजमति ने जातिस्परण ज्ञान से क्या जाना ?

.....

.....

9. मेद्यकुमार के जीव ने संसार परित्त कैसे किया ?

.....

.....

10. थावच्चा पुत्र की माता ने मृत्यु से बचने का क्या उपाय बताया ?

.....

.....

11. शिक्षा के अयोग्य बोल लिखो ?

.....

.....

12. साधु की गति कितनी है लिखो।

.....

.....

13. गाय कौन सी पृथ्वी तक जाती है, उसकी आगति कितनी है ?

.....

.....

14. लोकान्तिक देवों की आगति लिखो–

.....

.....

15. 563 की गति किस-किस की है ?

.....

.....

16. पुच्छिंस्सु नं कौन से शास्त्र का कौनसा अध्ययन हैं ?

.....

.....

17. धर्म कहाँ ठहरता है ?

.....

.....

18. उत्तराध्ययन सूत्र के तीसरे अध्ययन का नाम क्या है ?

.....

.....

19. सुमेरू पर्वत की ऊंचाई कितनी है, इसके कितने भाग है नाम लिखो।

.....

.....

20. भगवान महावीर कौन से संयोगों से युक्त है ?

.....

.....

प्रश्न 3. अर्थ लिखो **10**

1. जंससिणो - .....
2. सव्वजगंसि - .....
3. कासव - .....
4. तिकंडगे - .....
5. चिट्ठई - .....
6. अच्चिमाली -.....
7. लोगुत्तमें - .....
8. ठिईण - .....
9. खत्तिओ - .....
10. संवुडे - .....

प्रश्न 4. मुझे पहचानों - **15**

1. मुझमें 14 पूर्व का सार हैं।
2. मैने अस्थिरता, क्षणभंगुरता का विचार किया।
3. मैनं पूर्व भव में जाति का मद किया था।
4. मैने नाग उठाया काला, बनी फूल की माला।
5. मैं बाल्यकाल से ही चिंतनशील स्वभाव वाला था।
6. मैं संथारा करके विजय नामक अनुत्तर विमान में गया।
7. सुबह और शाम मेरी माला फेरनी चाहिए।
8. मैनें वमन की हुई का उपभोग करने की कामना की।
9. हमारी नियमा तिर्यंच गति ही है।
10. हमारी गति मोक्ष ही है।

11. मेरे द्वारा क्षमा करना मुश्किल हैं।

12. हम अपर्याप्ता अवस्था में ही काल करते हैं।

13. मनुष्य संबंधी शरीर पाकर भी क्या करना दुर्लभ है।

14. सर्व दानों में कौन सा दान श्रेष्ठ हैं।

15. ज्ञान, शील में सर्वोतम में हूँ।

प्रश्न 5. खाली स्थान भरिए – **15**

1. .....देने से अनायास अखूट लक्ष्मी मिलती है।

2. आत्मा को भिन्न समझकर, भिन्नता का चिंतन .....हैं।

3. आचार्या .....पूज्या उपाध्यापकः।

4. पीटा जाता .....से, बुरी तरह मर जाता है।

5. भगवती राजमति के ऐसे ओजपूर्ण प्रभावशाली वचनों .....का काम किया।

6. युगलीक.....में नहीं मरते।

7. मांडलीक राजा की गति में देव के भेद.....हैं।

8. असली तिर्यंच पंचेन्द्रिय की आगति में तिर्यंच के भेद .....हैं।

9. सूर्य की आगति .....हैं।

10. .....को स्वीकार करने में सदा तत्पर रहे।

11. .....देवों का क्रीड़ा स्थल हैं।

12. समस्त तपस्वियों में .....सर्वश्रेष्ठ हैं।

13. भगवान महावीर सर्वप्राणियों के लिए पृथ्वी के समान.....हैं।

14. अप्पिया.....कामरूवा विउव्विणो।

15. तपस्या द्वारा कर्मों का नाश करता है एवं अंत में.....हो जाता है।

प्रश्न 6. अंकों में उत्तर दीजिए – **10**

1. पुच्छिंस्सु णं मे कितनी गाथा है

2. कितने अंग दुर्लभ है

3. थावच्चापुत्र की कितनी पत्नियां थी

4. कर्मभूमि मनुष्यों की आगति की संख्या

5. नोगर्भज की गति कितनी

6. सम्यकदृष्टि की आगति में देवता कितने

7. बलदेव की गति कितनी

8. जयंत देव की आगति में मनुष्य कितने

9. पांचवी पृथ्वी के नैरयिक की गति में देव कितने।

10. किल्विषी देवों के भेद कितने–

प्रश्न 7. सही या गलत बताइये **7**

1. तुम तरण तारण सुःख, निवारख भविक जीव विराधनम्। .....

2. जो सब में आसक्त बना वह, कितना मीठा फल पाता है। .....

3. अढ़ाई दिन में दावानल शांत हुआ। .....

4. स्त्रीवेद की गति 563 हैं। .....

5. खेचर की गति में नैरयिक के 4 भेद हैं। .....

6. 'आमोह' ग्रैवेयक का भेद हैं। .....

7. 179 की लड़ी में 101 सम्मूर्च्छिम मनुष्य हैं। .....